सत्र 2020–21 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
(नियमित परीक्षार्थियों हेतु)
बी. ए. प्रथम वर्ष
प्रथम प्रश्न पत्र
संगीत का विज्ञान
(Science of Music)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	80	100	33%

इकाई–1

1. भारतीय वाद्य वर्गीकरण का सामान्य अध्ययन।
2. तबला वाद्य की बनावट एवं इसके विभिन्न अंगों का सचित्र वर्णन।

इकाई–2

1. तबला वाद्य के उद्‌भव एवं विकास के संबंध में प्रचलित मान्यताओं का परिचय।
2. तबले के प्रमुख घरानों का संक्षिप्त परिचय।

इकाई–3

1. तबले पर बजाये जाने वाले प्रारंभिक वर्णों के निकास का शास्त्रीय ज्ञान।
2. भातखण्ड ताललिपि पद्धति का अध्ययन।

इकाई–4

1. ताल की परिभाषा एवं सम, ताली, खाली, मात्रा, विभाग, लय, तिहाई, आवर्तन, उठान, टुकड़ा, मुखड़ा, का पारिभाषिक ज्ञान।
2. बडा खयाल, छोटा खयाल, मसीतखानी गत एवं रजाखानी गत का सामान्य परिचय।

इकाई–5

1. पखावज, तानपुरा, सारंगी, सितार एवं बाँसुरी वाद्यों का सचित्र वर्णन।
2. तबला वाद्य को स्वर में मिलाने की विधि का शास्त्रीय अध्ययन।

बी. ए. प्रथम वर्ष
द्वितीय प्रश्न पत्र
संगीत के क्रियात्मक सिद्धांत
(Applied Principels of Music)

समयः 3 घण्टे

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	80	100	33%

इकाई–1

1. ''तिट'' एवं ''तिरकिट'' बोलों पर आधारित त्रिताल के प्रारंभिक कायदों को न्यूनतम छः पल्टों एवं तिहाई सहित भातखण्डे ताललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. त्रिताल में रेला एवं उसके विस्तार को भातखण्डे ताललिपि में लिपिबद्ध करना।

इकाई–2

1. तबला वाद्य पर बजाये जाने वाले प्रारंभिक तालों के ठेकों को ठाह एवं दुगुन लय में भातखण्डे ताललिपि में लिपिबद्ध करना। (त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा)
2. त्रिताल में न्यूनतम दो–दो मोहरे, मुखडे एवं टुकडे लिपिबद्ध करना।

इकाई–3

1. पखावज के प्रारंभिक वर्णों के निकास का शास्त्रीय अध्ययन।
2. चौताल, सूलताल, तीव्रा एवं धमार तालों का सामान्य परिचय ठाह एवं उन्हें दुगुन में भातखण्डे ताललिपि में लिपिबद्ध करना।

इकाई–4

1. तिलवाड़ा, आडाचौताल एवं झूमरा तालों का सामान्य परिचय तथा ठाह, दुगुन एवं चौगुन लय में भातखण्डे ताललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. प्रारंभिक तालों के ठेकों (त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा) को तिगुन एव चौगुन की लयकारी में भातखण्डे ताललिपि में लिपिबद्ध करना।

इकाई–5

1. त्रिताल में पांचवी, सातवीं, नवी एवं तेरहवी मात्रा से प्रारम्भ होने वाली तिहाईयों को भातखण्ड ताललिपि में लिपिबद्ध करना।
2. उप"ाास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त तालों के ठेकों, यथा–प"तो, अद्धा एवं पंजाबी को भातखण्डे ताललिपि में लिपिबद्ध करना।

सत्र 2020–21 हेतु प्रस्तावित पाठ्यक्रम
बी. ए. प्रथम वर्ष
प्रायोगिक
तबला वादन की तकनीक
(Technique of Tabla Playing)
प्रदर्शन एवं मौखिक
(Demonstration and Viva)

अंक योजना			
मिड टर्म	एण्ड टर्म	कुल अंक	न्यूनतम उत्तीर्णांक
20	80	100	33%

1. तबला वाद्य पर हाथ का रखाव एवं हस्त संचालन का अभ्यास।
2. तबले के प्रारंभिक वर्णों (संयुक्त एवं असंयुक्त) क निकास की विधि।
3. प्रारंभिक तालों त्रिताल, एकताल, झपताल, कहरवा, रूपक एवं दादरा तालों को हाथ से ताली देकर ठाह एवं दुगुन लय में पढना एवं तबले पर बजाना।
4. त्रिताल के ठेके के न्यूनतम चार प्रकारों को हाथ से ताली देकर पढना एवं तबले पर बजाना।
5. त्रिताल में सामान्य तिहाईयों को तबले पर बजाना।
6. तबला वादन से संबंधित प्रारंभिक पारिभाषिक शब्दों सम, मात्रा, ताली, खाली, विभाग, आवर्तन, ताल, ठेका आदि की जानकारी।
7. तबले के प्रारंभिक वर्णों एवं तालों को सुनकर पहचानने की क्षमता।
8. त्रिताल के ''तिट'' एवं ''तिरकिट'' बोलों पर आधारित प्रारंभिक कायदों को न्यूनतम चार पल्टे एवं तिहाई सहित बजाना।
9. त्रिताल में ''तिरकिट'' बोल पर आधारित रेला न्यूनतम दो पल्टे एवं तिहाई सहित बजाने का अभ्यास।

//संदर्भित पुस्तकें//

1. ताल प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
2. तबला कौमुदी भाग 1 एवं 2 : श्री रामशंकर पागलदास
3. तबला प्रकाश : श्री भगवतशरण शर्मा
4. ताल परिचय भाग 1 एवं 2 : पं. गिरी"ा चन्द्र श्रीवास्तव
5. ताल शास्त्र परिचय भाग–1 : डॉ. मनोहर भालचन्द्र मराठे
6. तबला शास्त्र : पं. मधुकर गोडबोले
7. ताल कोष : पं. गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव